DEATHS IN VARIOUS STATES DUE TO DROUGHT

1518. SHRI ONKAR LAL BERWA :
SHRI YASHPAL SINGH :
SHRI D. N. PATODIA :
SHRI K. LAKKAPPA :
SHRI HIMATSINGKA :
SHRI S. K. TAPURIAH :
SHRI N. K. SANGHI :
SHRI R. R. SINGH DEO :
SHRI VISHWANATH PANDEY :
SHRI Y. A. PRASAD :

Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that many persons died during the last 3 months due to drought in the various States;

(b) if so, the number of persons died as a result thereof State-wise; and

(c) the action taken by Government to meet the situation ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI ANNASAHIB SHINDE) : (a) Enquiries made from the State Governments concerned indicate that no starvation deaths have taken place during the last three months in the drought affected areas.

(b) and (c). Do not arise.

कृषि-मूल्य आयोग

1519. **श्री नारायण स्वरूप शर्मा :**
श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री अटल बिहारी वाजपेयी :

क्या खाद्य तथा कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कृषि-मूल्य आयोग के अनेक सदस्यों ने अनेक कारणों से या तो अपने त्यागपत्र दे दिये हैं या आगे कार्य करने से मना कर दिया है; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं होता ।

समुद्रपार संचार सेवा के कर्मचारियों को समयोपरि भत्ता

1520. **श्री नारायण स्वरूप शर्मा :**
श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री अटल बिहारी वाजपेयी :
श्री यशपाल सिंह :
श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या **संचार** मंत्री, 29 अगस्त, 1968 के अतारांकित प्रश्न संख्या 6376 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने दूसरे वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार समुद्रपार संचार सेवा के कर्मचारियों की समयोपरि भत्ते की मांग पर इस बीच विचार कर लिया है; और

(ख) यदि हां, तो इस बारे में क्या निर्णय किया गया है ?

संसद्-कार्य विभाग तथा संचार विभाग में राज्य मंत्री (श्री इ० कु० गुजराल) : (क) तथा (ख). यह मामला अभी तक विचाराधीन है ।

स्वचालित मशीनों के प्रयोग के कारण बेरोजगारी

1521. **श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :**
श्री नारायण स्वरूप शर्मा :
श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री अटल बिहारी वाजपेयी :
श्री प्रेम चन्द वर्मा :
श्री नि० ब० सिंह :
श्री ए० श्रीधरन :

क्या **श्रम तथा पुनर्वास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अब तक किन क्षेत्रों और सरकारी विभागों/उपक्रमों में स्वचालित मशीनें लगाई गई हैं ;

(ख) इसके परिणामस्वरूप कितने व्यक्ति बेरोजगार हुए हैं;

(ग) क्या स्वचालित मशीनों को लगाये जाने से पूर्व कर्मचारियों के प्रतिनिधियों से सलाह ली गई थी; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

श्रम तथा पुनर्वास मंत्री (श्री हाथी) : (क) माननीय सदस्य का आशय एलैक्ट्रानिक कम्प्यूटर्स लगाने से है । प्राप्त सूचना के अनुसार ऐसे कम्प्यूटर्स निम्नलिखित सरकारी विभागीय उपक्रमों; सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों तथा निजी क्षेत्रों के उपक्रमों में लगाए गए हैं :—

सरकारी विभागीय उपक्रम

(1) डीज़ल लोकोमोटिव वर्क्स, वाराणसी ।

(2) इंडियन टेलीफोन इन्डस्ट्रीज लि०, बंगलौर ।

(3) डाइरैक्टोरेट जनरल, आर्डनेंस फैक्टरीज़ ।

(4) रेल मंत्रालय, नार्दन, सेंट्रल, वेस्टर्न, साऊदर्न एण्ड साऊथ-ईस्ट रेलवेज़ ।

सरकारी क्षेत्र के उपक्रम

(1) इयर इंडिया ।

(2) हिन्दुस्तान मशीन टूल्स लि०, बंगलौर ।

(3) इंस्टीट्यूट आफ ट्रोपिकल मेट्रोलौजी (इंडियन मट्रोलौजिकल डिपार्टमैंट ।

(4) लाईफ इंसोरेंस कोरपोरेशन आफ इंडिया ।

(5) इंटैग्रल कोच फैक्टरी, पैराम्बूर ।

(6) चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स, चितरंजन ।

(7) प्रोग्राम इवैल्यूवेशन आर्गानाइजेशन, प्लानिंग कमिशन ।

(8) इंडियन इयर लाइन्स कोरपोरेशन ।

(9) स्टेट बैंक आफ इण्डिया, बम्बई ।

(10) इंस्टीट्यूट आफ अग्रीकल्चरल रिसर्च स्टेटिस्टीक्स (आइ० सी० ए० आर०), नई दिल्ली ।

(11) हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लि० (बंगलौर डिविजन) ।

(12) यूनिट ट्रस्ट आफ इंडिया ।

(13) कम्प्यूटर सैंटर, डिपार्टमैंट आफ स्टेटिस्टीक्स, नई दिल्ली ।

(14) राउरकेला स्टील प्लांट आफ हिन्दुस्तान स्टील लि० ।

(15) भिलाई स्टील प्लांट आफ हिन्दुस्तान स्टील लि० ।

निजी क्षेत्र के उपक्रम

(1) दि देहली क्लोथ एण्ड जनरल मिल्स, कं० लि०, दिल्ली ।

(2) दि बंकिंघम एण्ड कारनाटिक कं० लि०, मद्रास ।

(3) प्लांट कमेटी आफ दि स्टील प्लांट्स ।

(4) टाटा इंजीनियरिंग एण्ड लोकोमोटिव कं० लि०, जमशेदपुर ।

(5) बर्मा-शैल (मार्केटिंग) ।

(6) बाटा शू कं० प्राइवेट लि०, कलकत्ता ।

(7) दि बंगलौर वूलन, काटन एण्ड सिल्क मिल्स कं० लि०, बंगलौर ।

(8) बर्न एण्ड कम्पनी लि० ।

(9) ऐस्सो, स्टैंडर्ड इर्स्ट इंक ।

(10) यूनियन कारबिड इंडिया लि०, कलकत्ता ।

(11) दि कलकत्ता इलैक्ट्रिक सप्लाई कोरपोरेशन लि०, कलकत्ता ।

(12) इलैक लिमिटेड वलमीको मिल्स प्रीमिसेज, अहमदाबाद ।

(13) कालटैक्स इंडिया लि०, बम्बई ।

(14) हिन्दुस्तान शिपयार्ड, विशाखापटनम् ।

(ख) प्राप्त सूचना के अनुसार, इस कारण से कोई छंटनी नहीं हुई है ।

(ग) 1966 में जीवन बीमा निगम द्वारा किये गये निर्णय के अनुसार, स्वचालित

मशीनों का लगाया जाना 1967 के अभिनवीकरण सम्बन्धी आदर्श समझौते के अनुसार, जिसमें दूसरी बातों के अलावा, कर्मचारियों के प्रतिनिधियों से सलाह लेने की व्यवस्था है, नियंत्रित होना चाहिए ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

राजनीतिक दलों को मान्यता

1522. **श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :**
श्री श्रद्धाकर सूक्कार :
श्री श्रीचन्द गोयल :

क्या **विधि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों को मान्यता देने की कमेटी के बारे में हाल ही में कोई संशोधन किये हैं;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस बारे में विभिन्न दलों की सलाह ली गई थी; और

(घ) यदि हां, तो इस बारे में उनकी क्या प्रतिक्रिया है ?

विधि मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री मुहम्मद यूनुस सलीम) : (क) जी हां ।

(ख) निर्वाचन आयोग ने 'निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आवंटन) आदेश, 1968 31 अगस्त, 1968 को निकाला और वह भारत के राजपत्र, असाधारण, तारीख 31 अगस्त, 1968, में प्रकाशित किया गया था । यह आदेश भारतीय नागरिकों के निकायों और संगमों के, राजनीतिक दलों के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए, संसदीय और सभा निर्वाचन क्षेत्रों में निर्वाचनों में प्रतीकों के विनिर्देश, आरक्षण चुनाव और आवंटन के लिए, उनके सम्बन्ध में राजनीतिक दलों की मान्यता के लिए और उनसे संसक्त मामलों के लिए उपबन्ध करता है ।

(ग) और (घ). जी हां । मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने प्रतीकों की मान्यता और आवन्टन के बारे में विभिन्न दलों के विचार अभिनिश्चित करने के लिए 4 मई, 1968 को राजनीतिक दलों का एक सम्मेलन बुलाया था । वर्तमान आदेश, उस सम्मेलन में इस विषय पर, विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा व्यक्त विचारों को ध्यान में रख कर निकाला गया था ।

सूखे की समस्या को स्थायी तौर पर हल करने की योजना

1523. **श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :**
श्री ईश्वर रेड्डी :
श्री क० प्र० सिंह देव :
श्री वी० चं० शर्मा :
श्री वेणीशंकर शर्मा :
श्री रामावतार शास्त्री :
श्री ओम प्रकाश त्यागी :

क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में प्रति वर्ष फसलों को होने वाली हानि तथा क्षति को ध्यान में रखते हुए सरकार ने सूखे की समस्या को स्थायी तौर पर हल करने के लिये कोई योजना तैयार की है ;

(ख) यदि हां, तो उस का ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) :(क) और (ख). एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है। **[पुस्तकालय में रखा गया। देखिये संख्या** LT-2242/68]

(ग) प्रश्न ही नहीं होता ।